

Chapter: 1 to 4

विभाग १ - गदय

प्र.१ (अ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए (गदय)

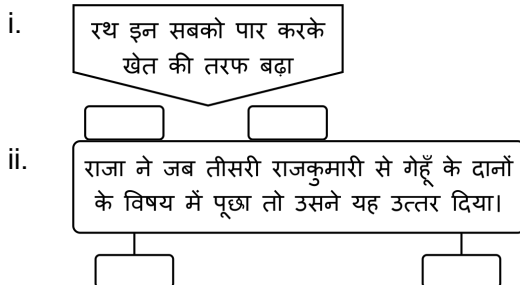
(8)

राजा ने दूसरी राजकुमारी से पूछा - "तुम्हारे दाने कहाँ हैं?"
दूसरी राजकुमारी अपनी संदूकची में से मखमल के खोलवाली डिब्बी उठा लाई, जिसमें उसने गेहूँ के दाने सहेजकर रखे थे। राजा ने उसे खोलकर देखा - दाने सड़ गए थे।
तीसरी राजकुमारी से पूछा - "तुमने क्या किया उन दानों का?"
तीसरी ने कहा - "मैं इसका उत्तर आपको अभी नहीं दूँगी, क्योंकि जवाब पाने के लिए आपको यहाँ से दूर जाना पड़ेगा और मैं वहाँ आपको कल ले चलूँगी।"
राजा ने अब चौथी और सबसे छोटी राजकुमारी से पूछा। उसने उसी बेपरवाही से जवाब दिया - "उन दानों की कोई कीमत है पिता जी? वैसे तो ढेरों दाने भंडार में पड़े हैं। आप तो जानते हैं न, मुझे गेहूँ के भुने दाने बहुत अच्छे लगते हैं, सो मैं उन्हें भुनवाकर खा गई। आप भी पिता जी, किन - किन चक्करों में पड़ जाते हैं।"
सभी के उत्तर से राजा को बड़ी निराशा हुई। चारों में से अब उसे केवल तीसरी बेटी से ही थोड़ी उम्मीद थी।
दूसरे दिन तीसरी राजकुमारी राजा के पास आई। उसने कहा - "चलिए पिता जी, आपको मैं दिखाऊँ कि गेहूँ के वे दाने कहाँ हैं?"
राजा रथ पर सवार हो गया। रथ महल, नगर पार करके खेत की तरफ बढ़ चला। राजा ने पूछा, "आखिर कहाँ रख छोड़े हैं तुमने वे सौ दाने? इस सौ दानों के लिए तुम मुझे कहाँ - कहाँ के चक्कर लगवाओगी?"
तब तक रथ एक बड़े - से - हरे - भरे खेत के सामने आकर रुक गया। राजा ने देखा - सामने बहुत बड़े खेत में गेहूँ की फसल थी। उसकी बालियाँ हवा में झूम रही थीं, जैसे राजा को कोई खुशी भरा गीत सुना रही हों। राजा ने हैरानी से राजकुमारी की ओर देखा। राजकुमारी ने कहा - "पिता जी, ये हैं वे सौ दाने, जो आज लाखों - लाख दानों के रूप में आपके सामने हैं। मैंने उन सौ दानों को बोकर इतनी अधिक फसल तैयार की है।"
राजा ने उसे गले लगा लिया और कहा - "अब मैं निश्चित हो गया। तुम ही मेरे राज्य की सच्ची उत्तराधिकारी हो।"

1 A1) ..

2

आकृति पूर्ण कीजिए।



A2) ..

2

एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

- दूसरी राजकुमारी के यह सड़ गए थे।
- तीसरी राजकुमारी राजा को यहाँ ले गई।

A3) ..

2

विपरीतार्थक शब्द / विलोम शब्द लिखिए।

i. खुशी ×

ii. जवाब ×

iii. उत्तर ×

iv. यहाँ ×

A4) ..

2

स्वमत।

‘सोच – समझ कर कार्य करने से सफलता मिलती है’ इस पर अपने विचार लिखिए।

(ब) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

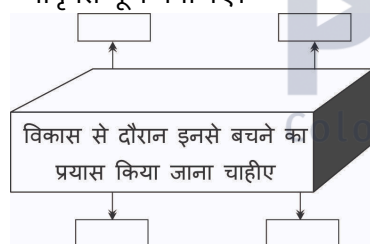
(4)

वनों भी अविवेकपूर्ण कटाई, बड़ी-बड़ी परियोजनाओं, असीमित ढानत, डीजल, पेट्रोल, कोयला तथा अन्य पेट्रोलियम पदार्थों का अन्तहीन दोहन व इनके दहन से जल, वायु, मुद्रा आदि का प्रदूषण हो चुका है। इन सभी कारणों से पर्यावरण के निरंतर प्रदूषित होने से परिस्थितिकी असंतुलन अलग हो गया। विकास के वर्तमान युग में परिस्थितिकी एवं पर्यावरण सापरिक्षण अनिवार्य है वही विकास अपोषणीय से पोषणीय होना आवश्यक है। इसलिए विकास के दौरान जल प्रदूषण, वायुप्रदूषण, मिट्टी के कटाव, मिट्टी की बढ़ती लवणता व क्षरियता, भ्रूस्थलीकरण, वृक्षों की अंधाधुंध कटाई ध्वनि प्रदूषण आदि से बचने का भरसक प्रयास किया जाना चाहिए।

1 A1) ..

2

आकृति पूर्ण कीजिए।



A2) ..

2

स्वमत।

जल प्रदूषण के बारे में अपने विचार लिखिए।

विभाग २ - पद्य

पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए (पद्य)

(6)

बदला-बदला-सा मौसम है
बदले-से लगते हैं सुर।
दीदा फाड़े शहर देखता
गाँव देखता टुकुर- टुकुर।
तिल रखने की जगह नहीं है
शहर ठसाठस भरे हुए।
उधर गाँव में पीपल के हैं
सारे पत्ते झरे हुए।
मेट्रो के खंभे के नीचे
रात गुजारे परमेसुर।
दीदा फाड़े शहर देखता
गाँव देखता टुकुर- टुकुर।

(6)

प्र.
२
प्र.
२

इधर शहर में सारा आलम
 आँख खुली बस दौड़ रहा।
 वहाँ रेडियो पर स्टेशन
 रामदीन है जोह रहा।
 उनकी बात सुनी है जबसे
 दिल करता है धुकुर-पुकुर।
 सुरसतिया के दोनों लड़के
 सूरत गए कमाने।
 गेहूँ के खेतों में लेकिन
 गिल्ली लगीं घमाने।
 लँगड़ाकर चलती है गैया
 सड़कों ने खा डाले खुर।
 दीदा फाड़े शहर देखता
 गाँव देखता टुकुर- टुकुर।

1 A1) ..

2

i. उचित जोड़ियाँ मिलाइए।

'अ'	'ब'
१. मेट्रो	गाँव
२. पीपल	कस्बा
	शहर

ii. लय संगीत निर्माण करने वाली दो शब्द जोड़ियाँ लिखिए।

१. २.

A2) ..

2

निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

i. शहर ii. आँख iii. दिल iv. गैया।

A3) ..

2

भावार्थ लिखिए ।
 तिल रखने की जगह नहीं है
 शहर ठसाठस भरे हुए।
 उधर गाँव में पीपल के हैं
 सारे पत्ते झरे हुए।

विभाग ३ - भाषा अध्यन (व्याकरण)

प्र. (1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए
 ३

(1)

हिंदुस्तान एक प्यारा देश है।

(2) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए
आज मंगलवार है।

(1)

(3) सुचना के अनुसार कालपरिर्तन किजिए
 विश्वास की राह पर चलना होगा। (पूर्ण भूतकाल)

(1)

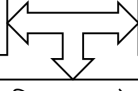
विभाग ४ - रचना विभाग

प्र. पत्र लेखन
 ४.

(4)

प्र.
४.

व्यवस्थापक सहारा
इलेक्ट्रॉनिक्स



खरीदी हुई एल. सी.डी
ठीक से काम नहीं करता

गोपीगंज, विन्ध्याचल रोड, जानपुर
से सुरेश / सौम्या जोशी

(4)

OR

मोहन / मोहिनी रानडे, विदर्भ महाविद्यालय अमरावती से, कुसंग में पड़े अपने मित्र रमेश पांडे / अपनी सहेली मीरा पांडे को समझाते हुए पत्र लिखता / लिखती है.